

प्रदेश में बनेंगे 20 उत्कृष्टता केंद्र स्टार्टअप को मिलेगा बढ़ावा

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ : प्रदेश में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए नई नीति जल्द लागू होगी। कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब इसके नोटिफिकेशन का इंतजार है। नीति लागू होने पर प्रदेश में 20 उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर आफ एक्सीलेंस) स्थापित किए जाएंगे, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ), मशीन लर्निंग, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, हेल्थटेक, एग्रीटेक, रोबोटिक्स और अन्य उभरती तकनीकों पर अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जाएगा। इन उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना के लिए 12 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि का प्रविधान किया गया है। इन केंद्रों में युवाओं, शोधकर्ताओं और स्टार्टअप को आधुनिक संसाधन और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिलेगा।

नई नीति के तहत महिला, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, दिव्यांगजन और ट्रांसजेंडर उद्यमियों की कम से कम 51 प्रतिशत हिस्सेदारी वाले स्टार्टअप को प्रोटोटाइप ग्रांट और सीड कैपिटल

आइएमएलसी में निवेश के एक हजार से ज्यादा प्रस्ताव आए

राज्य विभिन्न एक्सप्रेसवे के किनारे स्थापित किए जा रहे 27 इंटीग्रेटेड लाजिस्टिक व मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर (आइएमएलसी) में निवेश के लिए 1110 प्रस्ताव उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) को प्राप्त हुए हैं। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे तथा गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे विकसित किए जा रहे आइएमएलसी में 57 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। आइएमएलसी परियोजना के लिए लगभग 12,700 एकड़ भूमि का चिह्नांकन किया गया है। अभी तक 10,795 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। उन्नाव 125.992 एकड़ भूमि, मेरठ में 20.64 एकड़ और हरदोई में 7.91 एकड़ भूमि का आवंटन किया जा चुका है।

पर 50 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया जाएगा।